

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. Singh College, Ara

Parietal lobe syndrome: Reading and writing disturbances

पारिएटल लोब सिंड्रोम: पढ़ने और लिखने के विकार

1. प्रस्तावना

- पारिएटल लोब (Parietal Lobe) मस्तिष्क का वह भाग है जो संवेदी सूचनाओं का एकीकरण (integration), स्थानिक बोध (spatial awareness), शरीर-योजना (body schema), भाषा के कुछ पहलू तथा गणनात्मक क्षमताओं से जुड़ा है। विशेष रूप से बाएँ गोलार्ध का इन्फीरियर पारिएटल लोब्यूल (Inferior Parietal Lobule) पढ़ने-लिखने की क्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- जब इस क्षेत्र में चोट, ट्यूमर, स्ट्रोक या संक्रमण होता है, तो इसे Parietal Lobe Syndrome कहा जाता है, जिसमें पढ़ने (Reading) और लिखने (Writing) की क्षमताओं में गंभीर विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

2. पढ़ने के विकार (Reading Disturbances)

(A) एलेक्सिया (Alexia) / वाचन-असमर्थता

एलेक्सिया वह स्थिति है जिसमें व्यक्ति पढ़ नहीं पाता, जबकि उसकी दृष्टि सामान्य हो सकती है।

प्रकार:

(I) शुद्ध एलेक्सिया (Pure Alexia / Word Blindness)

- रोगी अक्षरों को देख सकता है, पर शब्दों का अर्थ नहीं समझ पाता।
- अक्सर बाएँ पारिएटो-ऑक्सिपिटल क्षेत्र की क्षति से।
- रोगी अक्षर-अक्षर पढ़ने की कोशिश करता है (Letter-by-letter reading)।

(II) एलेक्सिया विद एग्राफिया (Alexia with Agraphia)

- रोगी न पढ़ पाता है, न लिख पाता है।
- यह प्रायः एंगुलर गायरस (Angular Gyrus) की क्षति से होता है।



Edit with WPS Office

(III) सतही एलेक्सिया (Surface Alexia)

- रोगी नियमित शब्द पढ़ लेता है, पर अनियमित शब्दों में त्रुटि करता है।

3. लिखने के विकार (Writing Disturbances)

(A) एग्राफिया (Agraphia)

एग्राफिया वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति लिखने की क्षमता खो देता है।

प्रकार:

(I) एप्रेक्सिक एग्राफिया (Apraxic Agraphia)

- अक्षरों के आकार बनाने में कठिनाई।
- मोटर योजना (motor planning) में समस्या।

(II) भाषिक एग्राफिया (Linguistic Agraphia)

- व्याकरण, वर्तनी और शब्द चयन में त्रुटियाँ।
- भाषा-प्रसंस्करण में दोष।

(III) स्थानिक एग्राफिया (Spatial Agraphia)

- शब्दों को पंक्ति में व्यवस्थित नहीं कर पाना।
- दाएँ पारिएटल लोब की क्षति में सामान्य।

4. एंगुलर गायरस और गेरस्टमैन सिंड्रोम

बाएँ पारिएटल लोब के एंगुलर गायरस (Angular Gyrus) की क्षति से विशेष प्रकार का सिंड्रोम उत्पन्न होता है जिसे Gerstmann syndrome कहते हैं।

इसके चार प्रमुख लक्षण हैं:

- एग्राफिया (लिखने में असमर्थता)
- एकाल्कुलिया (गणना में कठिनाई)
- फिंगर एग्नोसिया (उँगलियों की पहचान में कठिनाई)



Edit with WPS Office

- दाएँ-बाएँ भ्रम (Right-left disorientation)

यह सिंड्रोम पढ़ने-लिखने के विकारों को समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

5. न्यूरो-साइकोलॉजिकल आधार

(A) संवेदी एकीकरण (Sensory Integration)

- पढ़ना एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें दृश्य संकेतों को भाषा-प्रणाली से जोड़ा जाता है। पारिएटल लोब दृश्य (visual) और श्रवण (auditory) सूचनाओं को एकीकृत करता है।

(B) ग्राफेम-फोनीम रूपांतरण (Grapheme-Phoneme Conversion)

- अक्षरों को ध्वनियों में बदलने की प्रक्रिया।
- यह कार्य बाएँ पारिएटल क्षेत्र से संबंधित है।

(C) कार्यात्मक कनेक्टिविटी

पारिएटल लोब का संबंध निम्न क्षेत्रों से होता है:

- Broca's area – वाक् उत्पादन
- Wernicke's area – भाषा समझ

इन क्षेत्रों के बीच समन्वय में बाधा आने से पढ़ने-लिखने में विकार उत्पन्न होते हैं।

6. नैदानिक लक्षण (Clinical Features)

- शब्दों को पहचानने में कठिनाई
- वर्तनी में बार-बार त्रुटि
- अक्षरों का उल्टा या मिश्रित लेखन
- पंक्ति छोड़ देना या शब्दों का छूट जाना
- अर्थ समझने में असमर्थता
- लिखते समय अक्षरों का विकृत आकार



7. मूल्यांकन (Assessment)

- न्यूरो-साइकोलॉजिकल परीक्षण
- वाचन-परीक्षण (Reading tests)
- लेखन-परीक्षण (Dictation, spontaneous writing)
- न्यूरोइमेजिंग (CT Scan, MRI)

8. पुनर्वास (Rehabilitation)

- स्पीच एवं लैंग्वेज थेरेपी
- ग्राफेम-फोनीम प्रशिक्षण
- पुनरावृत्ति आधारित अभ्यास
- दृश्य-स्थानिक प्रशिक्षण
- बहु-संवेदी विधियाँ (Multisensory techniques)

9. निष्कर्ष

- पारिएटल लोब सिंड्रोम में पढ़ने और लिखने के विकार मस्तिष्क के भाषा एवं संवेदी एकीकरण तंत्र में व्यवधान के कारण उत्पन्न होते हैं। विशेष रूप से बाएँ पारिएटल लोब और एंगुलर गायरस की क्षति से एलेक्सिया एवं एग्राफिया जैसी समस्याएँ होती हैं।
- यह समझना आवश्यक है कि पढ़ना-लिखना केवल भाषा प्रक्रिया नहीं, बल्कि दृश्य, संवेदी, मोटर और संज्ञानात्मक तंत्रों के जटिल समन्वय का परिणाम है।

